समीक्षा

2007-2008

महिला उमंग समिति

पंजीकृत पता : ग्राम –डड्गल्या ,पोस्ट आफिस – कालिका , रानीखेत पिन – 263 645, जिला अल्मोड़ा
कार्यालय पता : ग्राम –नैनी , पोस्ट आफिस – कालिका , रानीखेत, पिन – 263 645, जिला अल्मोड़ा
फोन न. : 05966 – 222298 , 240430
E- mail - umang@grassrootsindia.com

परिचय

महिला उमंग समिति महिलाओं का एक गठबन्धन है जिसका पंजीकरण सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 के तहत 3 सितम्बर 2001 को रजिस्टार ऑफ सोसाइटीज के हल्द्वानी, कार्यालय, उत्तराखण्ड में किया गया है। उमंग का कार्यालय जिला अल्मोड़ा, रानीखेत के पास ग्राम नैनी में स्थित है।

उमंग का मुख्य लक्ष्य महिलाओं के सशक्तीकरण द्वारा उनके जीवन में गुणात्मक सुधार लाना है। विगत सात वर्षो से इस लक्ष्य को पुरा करने के लिये उंमग विभिन्न आजीविका विकास एवं प्राकृतिक संसाधनो के संरक्षण एंव संवर्धन हेतु ग्रामीण समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित कर उपयुक्त कार्यक्रमों का संचालन कर रही है।

समाज के विकास के लिए अपना योगदान देने हेतु एवं पंचायती राज में नेंतर्त्व ग्रहण करने के लिए समय-समय पर क्षमता वृद्वि गोष्ठियों का आयोजन करना एवं स्वंय सहायता समूहों का गठन कर महिला सशक्तीकरण हेतु अनुकूल मंच तैयार करने का प्रयास भी किया जा रहा है ।

समीक्षा वर्ष में उमंग द्वारा सामुदायिक एंव आजीविका विकास कार्यक्रम अल्मोड़ा, नैनीताल एंव बागेश्वर जिलो के 8 विकास खण्डों के लगभग 120 गॉवों मे पूर्व से संचालित कार्यक्रमों को सुचारू ढ़ग से संचालित करने के प्रयास जारी रहे, जिसका विवरण निम्नलिखित है।

सामुदायिक विकास कार्यक्रम

समीक्षा वर्ष के दौरान अल्मोड़ा जिला के गगास घाटी में संचालित गधेरा बचाओ परियोजना के तहत उमंग ने अन्य संस्थाओं के साथ सामंजस्य बना कर पर्वतीय समुदाय को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं सर्वधन के कार्यक्रमों में अहम भूमिका निभाई हैं, जो कि निमन्वत हैं :

- समुदाय का उनके पास उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का विश्लेषण कर इनके दोहन एवं उनके जीवन स्तर में गुणात्मक ह्रास पर उनका ध्यान आकर्षित करने हेतु गॉव में गोष्ठियों का आयोजन करना।
- चर्चा के उपरान्त स्वंय सहायता समूहों का गठन कर महिलाओं द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के सरंक्षण एवं सर्वधन के कार्यक्रमो में सहभागिता सुनिश्चित करना।
- कार्यक्रमों को क्रियान्वयन करने हेतु गधेरा बचाओ समितियों का गठन करना एवं सत् प्रतिशत परिवारों की सहभागिता सुनिश्चित करना।
- गगास घाटी के सत्त विकास एवं संरक्षण की परिकल्पना साकार करने के लिए समय समय पर क्षमता विकास कार्यक्रमों का आयोजन करना ।

कुमाऊँ कारीगर समिति के साथ सहयोगी संस्था के रूप में कार्य करते हुये समीक्षा वर्ष में निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया :

- **पर्यावरणीय स्वच्छता** : ग्रामीण स्तर पर पर्यावरणीय स्वच्छता को देखते हुए 52 शौचालयों का निर्माण करवाया हैं ।

- **वैकल्पिक उर्जा** : इर्धन की कमी से जंगल पर बढ़ते दबाव को देखते हुए स्वंय सहायता समूहों की महिलाओ को गोबर गैस संयत्र लगाने हेतु प्रेरित किया गया, जिसके तहत समीक्षा वर्ष के दौरान 2 गोबर गैस संयत्रों का निर्माण किया गया।
- **बरसाती जल संग्रहण टैंक** – पानी की विकट समस्या को ध्यान मे रखते हुये उमंग द्वारा बरसाती जल संग्रहण टैंक के विकल्प का प्रचार-प्रसार किया गया। जिसके तहत 9 व्यक्तिगत बरसाती जल संग्रहण टेंकों का निर्माण किया गया।
- **वृक्षारोपण** : समुदाय के सहयोग से चौड़ी पत्ती के 2,786 पौधों का रोपण गॉव की बंजर भूमि में किया गया।

महिला स्वंय सहायता समूह :

समीक्षा वर्ष के दौरान उमंग द्वारा 05 ग्रामों मे 6 स्वंय सहायता समूहों का गठन किया गया है। इन समूहो में महिलाओं द्वारा सदस्यता ग्रहण की गई है, जो प्रतिमाह अपनी सुविधानुसार 10 से 50 रूपये तक की बचत करते हैं।

संचित रूप से सात वर्षो के दौरान 148 स्वंय सहायता समूहों का गठन किया गया है जिससे 2,173 महिलाएं जुडी है। ये समूह अपना कार्य सुचारू रूप से कर रहे हैं। इन समूहों के माध्यम से महिलाओं को मिलने जुलने,अपने विचारों को प्रकट करने का एवं एक दूसरे की समस्याओं पर विचार कर उसका समाधान निकालने के लिए एक मंच मिला है। विशेषकर यह समूह जल, जंगल, जमीन व आजीविका की समस्याओं को लेकर कार्य कर रहें हैं, एवं अपने गॉव के विकास में सहभागिता निभा रहें हैं। विशलेषण के आधार पर समूह की महिलाओं की सामाजिक आर्थिक पृष्ठिभूमि निचे चित्र में दर्शायी गई है।

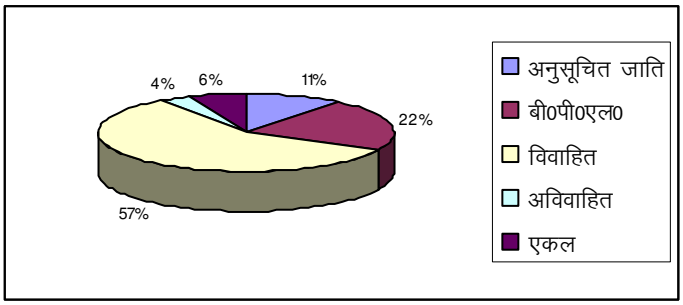

इन समूहो के कोष मे लगभग रू. 22,50,500/– (बाईस लाख पचास हजार पॉच सौ रूपये) जमा हो गया है। इस वर्ष 205 महिलाओं को कुल रू. 9,85,400 /– (नौ लाख पचासी हजार चार सौ रूपये) का ऋण दिया गया है। इस ऋण का उपयोग महिलाओ ने अपने बच्चो की शिक्षा, मकान बनाने, शौचालय बनाने, दुख–बीमारी, गाय- भैस खरीदने, आदि कार्यो को करने हेतु लिया। सभी महिलाओं ने समय पर ऋण वापस किया है। इन महिलाओं की नियमित रूप से पैसा जमा करने की अच्छी आदत बन गयी है। बचत एंव ऋण के साथ–साथ 50 प्रतिशत स्वंय सहायता समूहों द्वारा आयवर्धन के कार्यक्रम भी स्वालम्बिक रूप से संचालित किया जा रहा हैं।

समीक्षा वर्ष के दौरान गठित स्वंय सहायता समूहों का विवरण निम्नवत है :

क्रम सं.	समूह का नाम	गॉव का नाम	ब्लाक	जिला	सदस्य	जमा (रू.)
1	जय गोलू देवता	भतोरा	द्वाराहाट	अल्मोड़ा	11	7,060
2	महिला कृषि बचत	बसुलीसेरा	"	"	10	3,554
3	जय मॉ काली	ईड़सेरा	"	"	12	6,249
4	प्रेरणा समूह	ईड़ासेरा	"	"	17	3,022
5	जय माँ गंगा बचत	कफड़ा	"	"	15	4,500
6	आशा बचत समूह	मल्ली सलोनी	ताड़ीखेत	"	15	3,135
					80	**27,520**

आजीविका विकास कार्यक्रम

समीक्षा वर्ष के दौरान पूर्व संचालित आजीविका विकास कार्यक्रमो को और अधिक सुदृढ़ता प्रदान करने के प्रयास किये गये। वर्ष के अन्त में आजिविका से जुड़े स्वंय सहायता समूहों द्वारा नेर्तत्व ग्रहण करने के प्रयास सराहनीय रहे। साथ-साथ अतिरिक्त आय अर्जित करने के अवसर प्राप्त होने से महिलाओं के व्यक्तित्व व निर्णय लेने की क्षमता में वृद्वि होने लगी है, जिसकी झलक हंसी देवी की कहानी में उभर कर आई है।

हंसी देवी की कहानी

मेरा जन्म ग्राम सिरसा, ब्लाक रामगढ, जिला नैनीताल मे हुआ। मैं पिछले छः सालों से महिला उमंग समिति से जुड़ कर बुनाई का कार्य कर रही हूँ। मैं एक गरीब परिवार की लड़की थी, परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण मैने स्कूल छोड़ दिया था। उमंग से जुड़ने के बाद मैने सिलाई व बुनाई का प्रशिक्षण लिया, और धीरे धीरे मेरे कार्य में दक्षता आ गई, संस्था कर्मचारियों के प्रोत्साहन से मैंने आगे की पढ़ाई फिर से शुरू की और इन्टरमीडियेट की परीक्षा पास कर ली। सन् 2005 में मेरी शादी ग्राम तिपोला जिला अल्मोड़ा में हुई। सशुराल जाकर मैंने वहॉ पर बुनाई के कार्य को आगे बढ़ाने की सोची और दोबारा महिलाओं को जोड़कर पुराने ऊन से जूते बनाना सिखाया और गॉव में औरतो को जोड़ना शुरू किया। वर्तमान में मैने अपने गॉव में एक नया समूह ज्ञानदीप के नाम से गठित कर लिया है, जिसमे 13 सदस्य हैं। वर्ष 2007–08 में हमारे समूह के द्वारा 1 लाख से ऊपर के ऊनी उत्पादों का उत्पाद किया गया और लगभग 35,000 रू0 आय के रूप में अर्जित किये। आज हमारे समूह की महिलाए किसी से ऋण ना लेकर अपने समूह से ही लोनिग करा रहे हैं।

इस समीक्षा वर्ष में संचालित आजीविका विकास कार्यक्रमों का विवरण निम्नलिखित है।

बुनाई कार्यक्रम – कुशलता प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण के उपरान्त स्वंय सहायता समूहों का गठन कर 506 महिलाओं का एक मंच गठित किया गया है, जो हाथ के बुने उत्पादों का उत्पादन कर रही है। इस कार्यक्रम के तहत महिलाओं में आर्थिक स्वावलम्बिता का विकास हुआ है, जिससे उनमें आत्मनिर्भरता आई है। साथ ही उमंग द्वारा समीक्षा वर्ष के दौरान गगास जालगम के दो मुख्य गधेरे

दुसाद व कनाड़ी के 20 स्वंय सहायता समूह की 86 महिलाओं को बिनाई प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम के तहत 13 केन्द्रो का संचालन कर 68 गॉवों की 506 महिलायें जुड़ी है जिनका विवरण निम्नवत है :

केन्द्र का नाम	ब्लाक	जिला	स्वंय सहायता समूह	सदस्य	गॉव	उत्पादन (रू.)	आय प्रति सेन्टर (रू.)	बोनस (रू.)
राइस्टेट	ताड़ीखेत	अल्मोड़ा	2	37	04	3,35,550	68,724	13,953
नैनीपुल	रामगढ़	नैनीताल	2	33	08	1,92,996	60,045	12,217
कौसानी	गरूड़	बागेश्वर	2	25	06	3,23,401	67,980	14,005
मजखाली	द्वाराहाट	अल्मोड़ा	5	89	08	3,60,890	83,215	16,941
मालरोड	ताड़ीखेत	अल्मोड़ा	1	17	04	1,52,628	37,080	7,508
पातली	ताड़ीखेत	अल्मोड़ा	2	25	09	9,90,74	24,465	4,973
लोद	ताकुला	अल्मोड़ा	1	19	01	80,827	17,821	3,622
क्वैराला	हवालबाग	अल्मोड़ा	1	23	01	1,09,913	23,600	4,775
नैनी	द्वाराहाट	अल्मोड़ा	1	28	1	1,13,481	21,165	4,282
तिपोला	द्वाराहाट	अल्मोड़ा	1	13	1	1,02,743	28,395	5,774
कालिका	द्वाराहाट	अल्मोड़ा	1	28	1	2,33,736	49,564	10,030
कनाड़ी	ताड़ीखेत	अल्मोड़ा	10	41	5	1,60,487	32,775	6621
दुसाद	द्वाराहाट	अल्मोड़ा	15	128	19	3,14,060	75,490	15,300
कुल			**44**	**506**	**68**	**2,57,9786**	**5,90,319**	**12,0000**

- विगत वर्ष की तुलाना में 26 प्रतिशत सदस्य एंव 22 प्रतिशत नये गॉव बिनाई परियोजना से जुड़े हैं।
- समीक्षा वर्ष के दौरान 506 महिलाओं ने रू. 25,80,000 का उत्पादन किया।
- इनके द्वारा रू. 5,90,000 की बुनाई कर अतिरिक्त आय के रूप में कमाया एंव परिवार की आर्थिक स्थिति को सुधारने मे योगदान दिया।
- पिछले सात वर्षो के मेहनत के फलस्वरूप चौथी बार महिलाओं को स्वंय सहायता समूह के माध्यम से प्रतिभागी के उत्पाद के अनुसार 1,20,000 रूपये बोनस के रूप में वितरण किया गया।
- सामान्यतः 78 प्रतिशत महिलाओं ने 2000 रू. तक , 18 प्रतिशत ने 5,000 रू. तक एंव 4 प्रतिशत ने 5,000 से ऊपर वार्षिक आय अर्जित की।
- संचित रूप से बिनाई परियोजना के द्वारा सात वर्षो में 111 गॉवों की 956 महिलाओं ने प्रशिक्षण लिया।
- समीक्षा वर्ष के दौरान बुनाई सामाग्री की कुल विक्रय 19,65,614 रूपये हुई, जो कि विगत वर्ष की तुलना में 16.53 प्रतिशत अधिक है।

संरक्षित खाद्य एंव मौन पालन कार्यक्रम

कुमॉऊ क्षेत्र के आर्थिक विकास का आधार कृषि एंव बागवानी है। इसे मद्देनजर रखते हुये एक उचित उद्यम की स्थापना कर , स्वंय सहायता समूह के माध्यम से कास्तकारों के उनके उत्पाद का उचित मूल्य प्रदान करने हेतु उमंग ने संरक्षित खाद्य कार्यक्रम की स्थापना की। इस कार्यक्रम को चलाने हेतु हमे भारत सरकार द्वारा नियंत्रित एफ0 पी0 ओ0 का लायसेन्स भी प्राप्त है। उमंग

कुमॉऊनी ब्राडॅ के नाम से बाजार मे निम्नलिखित उत्पादो को विक्रय कर कास्तकारों के आर्थिक स्थिति को सुद्वढ़ बनाने में कार्यरत है।

इस वर्ष में उमंग ने निम्नलिखित उत्पाद बनाये है –

क्रम सं.	सामग्री	उत्पादन (किग्रा.)	विक्रय मूल्य रू.
क. अचार			
1	आम का अचार	500	60,000
2	हरी मिर्च अचार	1000	1,50,000
3	कागजी नीबू	500	75,000
4	लहसुन अचार	1000	1,50,000
5	अदरक अचार	200	3,0000
6	प्लम चटनी	1000	1,50,000
7	नींबू	150	22,500
	कुल	**4350**	**6,37,500**
ख. जैम			
1	प्लम जैम	920	1,28,800
2	खुमानी जैम	1,250	1,75,000
3	सेब जैली	940	1,41,000
4	मारमलेट	190	28,500
	कुल	**3,300**	**4,73,300**
	कुल (क+ख)	**7650**	**11,10,800**
ग. शहद			
1	लीची शहद	1063	1,06,308
2	युकेलिप्टस	942	94,284
3	राई	75	7,500
		2,080	**2,08,568**

- इन उत्पादों को बनाने में 927 मानव दिवस सर्जित हुये।
- इस कार्यक्रम हेतु कच्चा माल 55 कास्तकारों से रू. 68,400 का कृषि उत्पाद क्रय किया गया।
- इसके अलावा 4 समूहों में रू. 10,000 बोनस के स्वरूप वितरित भी किया गया। कास्तकारों द्वारा उमंग में सामान देने से उन्हें अपने सामान का उचित मूल्य मिला तथा बाजार मूल्य भी उचित निर्धारित करने में मदद मिली।
- समीक्षा वर्ष के दौरान अचार तथा जैम की कुल विक्रय रूपये 6,01,852 हुई जो कि विगत वर्ष की तुलना में 0.80 प्रतिशत अधिक है।
- इस वर्ष 20 मौन पालको से 2,080 किलो शहद खरीदा जिसका क्रय मूल्य रू. 2,08,568 है, इस तरह औसतन प्रति कास्तकार द्वारा 10,428 रू. आय के रूप में अर्जित किया गया।
- समीक्षा वर्ष के दौरान शहद की बिक्री 3,50,719 रूपये रही जो कि विगत वर्ष की तुलना में 33 प्रतिशत कम है।

मोमबत्ती कार्यक्रम

महिलाओं के आयवर्धन हेतु उंमग द्वारा मोमबत्ती कार्यक्रम को पिछले दो वर्षो से स्वंय सहायता समूह के माध्यम से चलाया जा रहा है, जोकिं महिलाओं के आय का एक अच्छा साधन बन रहा है। समीक्षा वर्ष में भी 4 स्वंय सहायता समूह द्वारा 23,741 रू. की मोमबत्ती दिवाली के अवसर पर उत्पादित कर लोकल बाजार में विक्रय किया गया। इस कार्यक्रम को महिला स्वंय सहायता समूह द्वारा चलाये जाने से यह फायदा हुआ है कि समूह इस कार्यक्रम को स्वंय चलाने हेतु सक्षम हुये। इस परियोजना को चलाने हेतु उंमग अन्य समूहो को भी आगे प्रशिक्षण एंव मार्गदर्शन देता रहेगा।

हिमखाद्य कार्यक्रम

अधिक से अधिक कास्तकारों को आजीविका एंव खादय सुरक्षा प्रदान करने के उददेश्य से उमंग द्वारा सन् 2006 से अतिरिक्त फसलों के क्रय विक्रय का कार्यक्रय परीक्षण के रूप में प्रारंभ किया गया। समीक्षा वर्ष के दौरान इस कार्यक्रम मे गतिशीलता आई है और निम्न प्रयासों का संचालन किया गया है :

- ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादित फसलों की उपज की अधिकता एंव न्युनता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न क्षेत्र में आपसी सामजस्य से इस कमी की पूर्ति करने हेतु गगास एंव गरूड़ घाटी के स्वंय सहायता समूह के सदस्य से अतिरिक्त धान का क्रय कर चावल के रूप में अन्य क्षेत्रों के स्वंय सहायता समूह में विक्रय किया।
- पॉच कास्तकारों द्वारा जैविक विधि से धान के उन्नत किसम के बीज उत्पादित किये गये। भविष्य में इन बीजों एंव विलूप्त हो रहे पारम्परिक बीजों का वितरण अन्य स्वंय सहायता समूहों में किया जायेगा।
- उचित बाजार की व्यवस्था कर लुप्त हो रही पारम्परिक फसलों के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए स्वंय सहायता समूह के माध्यम से झिंगोरा, मडुवा, सोयाबीन आदि फसलों का क्रय–विक्रय किया गया।
- 196 कास्तकारों द्वारा केमोमाईल चाय की फसल को परीक्षण के रूप में उगाने का प्रयास किया गया जिसके तहत कुछ कास्तकारों को इसके उत्पादन में सफलता प्राप्त हुई।
- इसी श्रंखला के तहत रीठा, अखरोट आदि के उत्पादन बढ़ाने के प्रयास भी किये गये।
- उपरोक्त उत्पादों को बाजार में हिमखाद्य के नाम से बेचा जा रहा है।

समीक्षा वर्ष के दौरान कास्तकारों से हिमखाद्यय सामग्री के क्रय का विवरण निम्नवत है :

क्रम सं0	सामग्री	कुल कास्तकार	कुल खरीद (केजी)	खरीद मूल्य
1	चावल	130	13,732	1,40,688
2	राजमा	11	480	21,692
3	गहत	35	1137	34,173
4	सोयाबीन	28	1047	12,570
5	उरद	15	110	8,272
6	मसूर	22	207	3,300
4	भट्ट	59	180	3,604
7	झिगोरा	7	62	1,447
8	मडुवा	4	195	1,174
9	मक्की का आटा	17	335	3,978
10	मेथी	4	10.5	367
11	अखरोट	35	464	56,589
		367	**464**	**2,87,854**

मुर्गी पालन कार्यक्रम

उंमग द्वारा उपरोक्त आजीविका विकास कार्यक्रम के साथ-साथ आय अर्जित करने के अन्य साधनो को बढ़ावा देने के लिये लघु रूप से मुर्गी पालन करने हेतु अल्मोड़ा,नैनीताल एवं बागेश्वर जिले के 930 परिवारो को सचिंत रूप से प्रोत्साहित किया जिसमे से 45 नये परिवारों ने समीक्षा वर्ष में इस कार्यक्रम मे पहल की। समीक्षा वर्ष के दौरान कुल 5,155 मुर्गी के बच्चे का वितरण किया गया।

जिला	ब्लाक	गॉव की संख्या	लाभार्थी	मुर्गीयों की संख्या
अल्मोड़ा	द्वाराहाट	35	176	2468
	ताड़ीखेत	18	108	960
	ताकुला	03	52	467
	कौशानी	15	42	941
	हवालबाग	1	1	10
नैनीताल	रामगढ	2	30	309
	कुल	**74**	**409**	**5155**

विगत पॉच वर्षो के दौरान उमंग द्वारा 22,890 बच्चों का वितरण किया जा चुका है। इस परियोजना द्वारा एक परिवार की औसतन वार्षिक आय रू. 2,500 हो जाती है इसके अलावा चर्चा के उपरान्त यह ज्ञात हुआ है कि बच्चों के पोषण में अण्डों के उपभोग से सुधार आया है।

मैं श्रीमती पुष्पा देवी ग्राम हल्दूआ, ब्लाक द्वाराहाट, जिला अल्मोड़ा की निवासी हूँ। सर्वप्रथम मैने 4 मुर्गीयाों के बच्चे लिये और उन्हे पाल कर मुझे फायदा हुआ, क्योकि रू. 25 मे खरीदे मुर्गी के बच्चों को बाद में मैंने प्रति मुर्गी रू. 200 में बेचा इस प्रकार 4 मुर्गी बेचकर मुझे रू. 800 प्राप्त हुये।

दूसरी बार भी मैनें 4 मुर्गी के बच्चे खरीदे जिसमे से मैने 2 मुर्गी बेच दी और बची हुई दो मुर्गीयों में से 1 अण्डे देती है, उसे हम अपने खाने हेतु प्रयोग करते हैं। इस बार जो हमने 2 मुर्गी बेची वह प्रति मुर्गी 400 में बेची जिससे हमे दुगना फायदा हो गया।

अन्त में अजीविका विकास कार्यक्रम के तहत 72 स्वंय सहायता समूहों के उत्पाद 32.58 लाख रूपये में विक्रय किये गये, जिससे 948 परिवार को अतिरिक्त आय प्राप्त करने के अवसर प्राप्त हुये। इसके अलावा मुर्गी पालन कर 409 परिवारों ने निजी स्तर पर व्यवसाय कर अतिरिक्त आय अर्जित करी।

परिवार स्वास्थ बीमा योजना

परिवार स्वास्थ बीमा के अर्न्तगत महिला उमंग समिति द्वारा हस्तकला केन्द्र, अल्मोड़ा के माध्यम से आई0 सी0 आई0 सी0 आई0, लोम्बार्ड, बीमा कम्पनी से 90 बुनकरों के लिए 15 हजार रूपये प्रति परिवार का स्वास्थ बीमा कार्ड बनवाया गया। इसका मुख्य उददेश्य बुनकर के परिवार का स्वास्थ परीक्षण निशुल्क करवाया जाये, जिसमे उसके पति एंव दो बच्चों की स्वास्थ सेवा का भुगतान तथा परिवार से बुनकर द्वारा नियुक्त नामित व्यक्ति की दुर्घटना मौत हो जाने पर 1 लाख रूपये तक का दुर्घटना बीमा देय होगा। इस कार्ड को बनाने हेतु गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले 38 बुनकरों द्वारा रू. 75 तथा उससे ऊपर जीवन यापन करने वाले 52 बुनकरों ने रू. 150 का भुगतान

बीमा कम्पनी को किया गया। भविष्य में अन्य महिलाओं को भी इस बीमा के अर्न्तगत लाने के प्रयास जारी है।

महिला दिवस

उमंग द्वारा समीक्षा वर्ष में महिला दिवस विकेन्द्रीक्रत तरीके से 7 क्षेत्रों (नैनी, कफड़ा, रावलसेरा, असगोली, दुभणा,पातली एंव गागरीगोल) में बड़े हर्षोउल्लास से साथ मनाया गया। इस बार अलग–अलग क्षेत्रों में मनाने का मुख्य उददेश्य यह था कि क्षेत्र की अधिक से अधिक महिलाएं महिला दिवस में प्रतिभाग कर सके और अपनी भावनाओं को अभिवयक्त कर एक कुशल कार्यनीति तैयार कर सके। महिला दिवस में 141 समूह की 1318 महिलाओं ने अपनी उपस्थिति सुनिश्चित कर समाज में बढ़ते भ्रुण हत्या जैसे सामाजिक कुरीतियों पर विरोध जताया व बालिका बालक समानता पर विचार विर्मश किया गया, साथ ही राजनैतिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने जैसे मुददो पर भी चर्चा की गई।

भविष्य में उपरोक्त सभी आजीविका विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देने हेतु उचित संस्थागत ढ़ाँचा,रणनीति एंव बदलते हुये बाजार की मॉग को देखते हुये, समय–समय पर उमंग से जुड़े उत्पादकों के साथ विस्तृत चर्चाओं के उपरान्त **उत्पादन कम्पनी** के गठन का प्रस्ताव किया गया।

आभार

सप्तम वार्षिक पत्रिका का समापन करते हुये हम अपने सभी मित्रों एवं शुभचिन्तकों, वित्तीय संस्थाओं, सरकारी एवं संस्थागत सहयोगियो, फल एवं खाद्य संरक्षण अधिकारियों, हमारे द्वारा उत्पादित समान के सभी विक्रेता, समस्त उत्पादक महिलाओं एंव कास्तकारों का आभार प्रकट करते है।

पान हिमालयन ग्रासरूटस डेवलपमेन्ट फाउन्डेशन, कुमाऊॅ कारीगर समिति का हम आभार प्रकट करते है जिनके तकनीकि मार्गदर्शन, क्षमता वृद्वि व वित्तीय सहायता द्वारा इस समीक्षा वर्ष में हमने उपरोक्त कार्यक्रमों का संचालन किया।

समिति प्रगति रिपोर्ट एक नजर में

क्रम.स	कार्यक्रम	2007-08	आज तक
1	बुनाई कार्यक्रम • बिनाई से जुड़े नये गॉव • बिनाई से जुड़े नये समूह • नई जुड़ी महिलाओं की संख्या • बिक्री (रू. लाख में)	 16 23 132 19.65	 112 46 956 67.69
2	संरक्षित खाद्य कार्यक्रम • जुड़े कास्तकारों की संख्या • अचार /जैम उत्पादन (किलो) • अचार /जैम बिक्री (रू. लाख में)	 55 7650 6.00	 100 30,726 25.41
3	मौन पालन कार्यक्रम • शहद कास्तकार • शहद बिक्री (रू. लाख में)	 20 3.50	 36 19.50
4	हिमखाद्य कार्यक्रम • कास्तकारों की संख्या • बिक्री (रू. लाख में)	 307 3.31	 367 4.54
5	स्वंय सहायता समूह • समूहो की संख्या • कुल सदस्य • कुल जमा राशि (रू. लाख में) • कुल ऋण (रू. लाख में)	 06 80 0.27 0.00	 148 2,173 22.54 9.85
6	मुर्गी पालन कार्यक्रम • जुड़े कास्तकारों की संख्या • वितरण की गई मुर्गी के बच्चों की संख्या	 45 5155	 930 22,890
7	शौचालय (लाभान्वित परिवार)	52	72
8	बायोगैस संयंत्र (लाभान्वित परिवार)	02	06
9	बरसाती जल संग्रहण टैंक	09	24
10	प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण एवं संवर्धन • वृक्षारोपण	 2,786	 10,522